व्यापार की योजना

प्राथमिक आय सृजन गतिविधि - **चुल्ली तेल का निष्कर्षण**
अतिरिक्त आय सृजन गतिविधि- **मशरूम की खेती**

जय पंच वीर - स्वयं सहायता समूह द्वारा

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	**जय पंच वीर**
वीएफडीएस नाम	::	**कंधार सुगा**
वन परिक्षेत्र	::	**सराहन**
वन मंडल	::	**रामपुर**

तैयार इसके अंतर्गत :

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाइका सहायता प्राप्त)

विषय सूची (चुल्ली - तेल निष्कर्षण)

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठों
1	स्वयं सहायता समूह का विवरण	4
2	लाभार्थियों का विवरण	5-6
3	गाँव का भौगोलिक विवरण	6
4	कार्यकारी सारांश	6-7
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
6	उत्पादन योजना	7
7	बिक्री और विपणन	8
8	संकट विश्लेषण	8
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
10	अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
11	आय और व्यय का विश्लेषण	10
12	निधि की आवश्यकता	10-11
13	निधि के स्रोत	11
14	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
15	ऋण चुकौती अनुसूची	12
16	निगरानी विधि	12
17	टिप्पणी	12

विषय-सूची (मशरूम की खेती)

क्रमांक।	विवरण	पृष्ठ
1	परिचय	14
2	स्वयं सहायता समूह का विवरण	14
3	गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	15
4	उत्पादन प्रक्रियाएं	15
5	योजना का विवरण	16-17
6	विपणन/बिक्री का विवरण	17-18
7	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	18
8	स्वोट अनालिसिस	19
9	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय	19-20
10	परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	20-22
11	अर्थशास्त्र का सारांश	23
12	लाभ लागत विश्लेषण	23
13	समूह में निधि प्रवाह	24
14	खरीद के स्रोत	24
15	टिप्पणी	25
16.	समूह के सदस्यों की तस्वीरें	26

1. स्वयं सहायता समूह का विवरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	जय पंच वीर
2.2	वीएफडीएस	::	कंधार सुगा
2.3	वन परिक्षेत्र	::	सराहन
2.4	वन मंडल	::	रामपुर
2.5	गाँव	::	कंधार
2.6	ब्लॉक	::	रामपुर
2.7	ज़िला	::	शिमला
2.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	9 (महिलाएं)
2.9	गठन की तिथि	::	मार्च 2021
2.10	बैंक खाता संख्या	::	43110125455
2.11	बैंक विवरण	::	हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक, रामपुर
2.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100 रुपये
2.13	कुल बचत		--
2.14	कुल अंतर- ऋण		-
2.15	नकद क्रेडिट सीमा		- -
2.16	पुनर्भुगतान स्थिति		- -

2. लाभार्थियों विवरण:

क्रमांक	नाम (श्रीमती)	पिता/पति का नाम (श्री.)	आयु	वर्ग	पद का नाम	आय स्रोत	पता
1	मीना देवी	किशोरी लाल	53	सामान्य	अध्यक्ष	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
2	देवका देवी	रोशन लाल	45	सामान्य	सचिव	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
3	कीर्ति देवी	लाभ सिंह	49	सामान्य	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
4	बिरमा देवी	मस्तराम	52	सामान्य	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
5	कुंता देवी	करम चंद	50	सामान्य	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
6	पूर्वा देवी	अमर सिंह	46	सामान्य	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)

7	भारती देवी	योग राज	38	सामान्य	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
8	हेमा देवी	नरेन्द्र लाल	53	सामान्य	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)
9	चानू देवी मेहता	रोशन लाल	50	अनुसूचित जाति	सदस्य	कृषि	ग्राम - कंधार, डाकघर - सरपारा तहसील - रामपुर जिला - शिमला (हिमाचल प्रदेश)

3. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	160 किमी
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	::	8 किमी
3.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	झाकरी (15 किमी), ज्यूरी- (25 किमी)
3.4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	रामपुर-(30 किमी)
3.5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	
3.6	उन स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	कंधार, सुगा, सरपारा।

4. कार्यकारी सारांश

चूंकि यह क्षेत्र बागवानी क्षेत्र में स्थित है, इसलिए अधिकांश लोग इस गतिविधि में शामिल हैं। सेब के अलावा बादाम, आदि गुठलीदार फल भी लोग उगा रहे हैं। चुल्ली (खुबानी) के

बीजों का इस्तेमाल लोग तेल निकालने के लिए कर रहे हैं। वर्तमान में पूरी प्रक्रिया कच्चे माल को रामपुर स्थित कोहलू में ले जाकर की जाती है। गांव में ही तेल निकालने के लिए गांव के लोग इस गतिविधि को आय सृजन गतिविधि के रूप में अपनाने की इच्छा प्रदर्शित करते हैं। इसी के तहत लोगों को जागरूक किया गया और जय देवता पंच वीर नामक स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया।

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम		चुल्ली_तेल
2	पहचान की विधि		यह गतिविधि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति		हाँ

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	अवधि	::	मौसमी आधार पर की जाने वाली गतिविधि
6.2	शामिल सदस्यों की संख्या	::	9
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्वयं गांव से
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
6.5	अपेक्षित मात्रा प्रति दिन	::	23 लीटर प्रतिदिन

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाज़ार स्थान	::	गांव स्वयं, सराहन, ज्यूरी और रामपुर
7.2	माँग	::	पूरे वर्ष भर.
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	गांवों/बाजार से संपर्क करेंगे
7.4	विपणन रणनीति		स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे निकटवर्ती गांवों/बाजार से ऑर्डर लेंगे ।

8. संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- मांग संचालित
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

10. अर्थशास्त्र का विवरण:

क.	**पूंजीगत लागत**			
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	तेल निकालने की मशीन	1	100000	100000
2	टोपी, दस्ताने आदि	लगभग	लगभग	5000
3	अलमारी	1	लगभग	5000
4	कुर्सियां, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
	कुल पूंजी लागत(क) =			**1,15,000**

ख	आवर्ती लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	स्थानीय बाजार से चुल्ली__का कच्चा माल	किलोग्राम	1000	300	300000
2	प्लास्टिक की बोतलें (200ml,500ml,750ml) सिलाई धागे	संख्या	2500	10	25000
3	किराया	प्रति माह			1500
4	अन्य(स्टेशनरी, बिजली बिल, परिवहन, मशीन मरम्मत)	प्रति माह			10000
	कुल आवर्ती लागत (ख)				**3,36,500**

ग.	उत्पादन लागत (मासिक)	
क्रमांक	**विवरण**	राशि(रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	336500
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	955
	कुल	**3,37,455**

घ.	विक्रय मूल्य				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
1	चुल्ली तेल	लीटर	1	1100	

11. आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	पूंजी लागत पर 10% मासिक मूल्य ह्रास	963
2	कुल आवर्ती लागत	336500
3	प्रति माह निकाले गए तेल की कुल मात्रा	460 लीटर (लगभग मात्रा)
4	तेल का विक्रय मूल्य	1100
5	आय सृजन (460*1100)	506000
6	शुद्ध लाभ (506000-337629)	168537
7	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ को मासिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • लाभ का उपयोग आय सृजन गतिविधियों में आगे निवेश के लिए किया जाएगा। • समूह को कुछ आय ग्रामीणों से लिए जाने वाले निष्कासन शुल्क के रूप में प्राप्त होगी, क्योंकि क्षेत्र के प्रत्येक घर में चूली के बीज निकालने के लिए उपलब्ध हैं और वर्तमान में यह कार्य रामपुर से किया जा रहा है।

12. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,15,500	86,625	28,875
2	कुल आवर्ती लागत	3,36,500	0	3,36,500
3	प्रशिक्षण	80,000	80,000	0
	कुल	**5,32,000**	**1,66,625**	**3,65,375**

टिप्पणी -

- **पूंजीगत लागत-** पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।

13. निधि के स्रोत :

परियोजना समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा । • वीएफडीएस बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी, जो स्वयं सहायता समूह को अंतर-ऋण देने के लिए उपलब्ध होगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी ।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

15. **ऋण चुकौती अनुसूची** - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई चुकौती अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- सावधि ऋणों में पुनर्भुगतान, बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

16. निगरानी विधि -

• वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आय सृजन गतिविधि की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

• स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

17. टिप्पणी

अतिरिक्त
आय सृजन गतिविधि
<u>मशरूम की खेती</u>

1. परिचय

मशरूम की खेती का व्यवसाय कुछ ही हफ़्तों में, कम पूंजी निवेश के साथ, बड़े मुनाफे का ज़रिया बन सकता है। मशरूम की खेती एक कला है और इसके लिए अध्ययन और अनुभव दोनों की आवश्यकता होती है। विभिन्न प्रकार के मशरूम की उत्पादन लागत अलग-अलग होती है, इसलिए बजट की उपलब्धता, स्थानीय मांग और लक्षित बाज़ार की स्वीकार्यता को ध्यान में रखना ज़रूरी है। मशरूम मोटे तौर पर तीन प्रकार के होते हैं:

1. बटन मशरूम
2. ऑयस्टर मशरूम (ढींगरी मशरूम)
3. पैडी मशरूम.

इस स्वयं सहायता समूह के सदस्य सफेद बटन मशरूम से अधिक परिचित और सहज हैं, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि यह स्वयं सहायता समूह सफेद बटन मशरूम उगाएगा। मशरूम की खेती उन लोगों के लिए सबसे उपयुक्त है जो बागवानी, पौधे उगाने और कृषि गतिविधियों में गहरी रुचि रखते हैं। चूँकि समूह के सदस्य पहले से ही अपने खेतों में कृषि/बागवानी गतिविधियों में लगे हुए हैं, इसलिए इस स्वयं सहायता समूह ने आय सृजन गतिविधि के रूप में इस गतिविधि को अंतिम रूप दिया है और एक व्यावसायिक योजना शुरू की है। इस गतिविधि का उद्देश्य समूह के सदस्यों की आय बढ़ाना और इस प्रकार उनकी आजीविका और जीवन स्तर में सुधार लाना है।

2. स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक जय पंच वीर स्वयं सहायता समूह का गठन मार्च 2021 में कंधार के अंतर्गत किया गया था सुघा वीएफडीएस कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करता है। इस समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

जय पंच वीर स्वयं सहायता समूह विशुद्ध रूप से महिलाओं का समूह है और इसमें समाज के सीमांत और कमज़ोर वर्ग के लोग शामिल हैं जिनके पास कम ज़मीन है। अपनी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया जिससे उनकी आय बढ़ सकती है। इस समूह में 9 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100 रुपये प्रति माह है।

3. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	: :	समूह नियंत्रित वातावरण में बटन मशरूम के उत्पादन में शामिल होगा।
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	: :	हालाँकि समूह के सभी सदस्य उच्च मूल्य वाली नकदी फसलें उगाते हैं। चूँकि उनकी ज़मीन बहुत छोटी है, इसलिए वे अपनी वित्तीय ज़रूरतें पूरी नहीं कर पाते। इसलिए, समूह के सदस्यों ने तय किया है कि मशरूम की खेती से उनकी आय बढ़ेगी। इसके अलावा, वे आमतौर पर अपनी नकदी फसलें झाकड़ी , ज्योरी और रामपुर में बेचते हैं। बाज़ारों से संपर्क पहले से ही मौजूद है। उन्हें मशरूम की मार्केटिंग के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ता।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/ क्लस्टर की सहमति	: :	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

4. उत्पादन प्रक्रियाएं

मशरूम की खेती का प्रशिक्षण जाईका परियोजना द्वारा आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का पूरा खर्च भी जाईका परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। 250 कम्पोस्ट स्पॉन बैग खरीदे जाएंगे और किराये के कमरों में लगाए जाएंगे। तीन स्तरीय लकड़ी/बांस की रैक फिटिंग के साथ-साथ चार एग्ज़ॉस्ट पंखे लगाए जाएँगे, एक ताज़ी हवा के लिए और दूसरा नीचे की तरफ, ताकि अंदर की हवा बाहर निकल सके। कमरे का तापमान कम करने के लिए प्रत्येक कमरे में एक सीलिंग फैन और कमरे का तापमान बढ़ाने के लिए एक हीट ब्लोअर लगाया जाएगा। कमरे का आवश्यक तापमान बनाए रखने के लिए प्रत्येक हॉल में सूखे और गीले थर्मामीटर लगाए जाएँगे। बैग लोड करने से पहले कमरे को दो-तीन बार फॉर्मेलिन (5 मिली/ लीटर) से धोया और साफ़ किया जाएगा। समूह के सदस्य प्रतिदिन एक घंटा काम करेंगे, आधा घंटा सुबह और आधा घंटा शाम को।

5. उत्पादन योजना का विवरण

5.1	उत्पादन चक्र (75 दिन)	शिमला जिले में बटन मशरूम अगस्त से अप्रैल तक उगाया जा सकता है। कम्पोस्ट बैग में स्पॉन डालने के बाद, मशरूम को पिन अप होने में 30 से 40 दिन लगते हैं। इसके बाद तीन फ्लश लिए जा सकते हैं। मशरूम की फसल के तीन फ्लश लेने में कुल 75 दिन लगते हैं। एक फसल का उत्पादन चक्र 75 दिनों का होगा। एक वर्ष में फसल के दो चक्र दोहराए जाएँगे, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है:- बटन मशरूम की पहली फसल (मई से जुलाई के अंत तक = 75 दिन) बटन मशरूम की दूसरी फसल (अगस्त से अक्टूबर = 75 दिन)
5.2	आवश्यक जनशक्ति	शुरुआत में पूरा समूह मिलकर रैक लगाने/बनाने, कमरे की सफाई करने और सड़क से उत्पादन स्थल तक कम्पोस्ट बैग ले जाने का काम करेगा। इसके बाद, पहले 30 दिनों तक, 2 व्यक्ति बारी-बारी से 1 घंटे (आधा घंटा सुबह और आधा घंटा शाम) सफाई, नमी बनाए रखने, तापमान नियंत्रण आदि का काम करेंगे। अगले 31 से 75 दिनों तक 2 व्यक्ति, कटाई, मिट्टी की आवरण, सफाई, वजन और पैकिंग के लिए 3 घंटे। इसमें विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं, क्योंकि सदस्यों में से एक नियमित रूप से बाजार में सब्जियों के साथ मशरूम भी बेचेगा। श्रम कार्य कुल 465 घंटे का होगा, यदि हम इसे 8 (घंटे) से विभाजित करते हैं तो यह 58.125 दिन होगा और इसे 400 रुपये प्रति दिन की मजदूरी दर से गुणा करें तो श्रम की लागत 23,250 रुपये आएगी।

5.3	कच्चे माल का स्रोत	बागवानी विभाग, हिमाचल प्रदेश के सोलन , कुल्लू और पालमपुर ।
5.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	बागवानी विभाग, हिमाचल प्रदेश के सोलन , कुल्लू और पालमपुर ।
5.5	बटन मशरूम के लिए आवश्यक मात्रा (75 दिन)	250 कम्पोस्ट स्पॉन युक्त बैग, फॉर्मेलिन, 200 मिली, कम्पोस्ट के लिए 250 पारदर्शी पॉलीथीन बैग, पैकिंग सामग्री (पॉलीथीन स्लीव) - 3 किग्रा.
5.7	75 दिनों में अपेक्षित उत्पादन	**बटन मशरूम:** - एक बैग से मशरूम का औसत उत्पादन 2 किलोग्राम है 1 बैग =2 कि.ग्रा. 250 बैग x2 कि.ग्रा. = **500 किग्रा**

6. विपणन/बिक्री का विवरण

6.1	संभावित बाज़ार स्थान	ज्यूरी , झाकड़ी , रामपुर।
6.2	इकाई से दूरी	झाकड़ी 15 कि.मी., ज्यूरी -25 कि.मी., रामपुर लगभग 30 कि.मी.।
6.3	उत्पादन बाजार की मांग	मशरूम की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है।
6.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	बाजारों में साल भर मांग बनी रहती है।
6.5	बाजार पर मौसमी प्रभाव	मशरूम हर मौसम में मिलने वाला एक स्वादिष्ट व्यंजन है और साल भर इसकी माँग बहुत ज़्यादा रहती है। हालाँकि, गर्मियों में, पर्यटकों और विवाह समारोहों के कारण इसकी माँग ज़्यादा होती है।
6.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी/विवाह और अन्य समारोह आदि हैं।

6.7	क्षेत्र के संभावित उपभोक्ता	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक / घर, होटल और ढाबे ।
6.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	समूह स्थानीय खरीदारों को मांग के आधार पर रोज़ाना ताज़ा मशरूम की आपूर्ति करेगा। चुनिंदा सब्जी विक्रेताओं और छोटी किराना दुकानों को सीधे आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। समूह लगातार खरीदारों को सुरक्षित करने के लिए रेस्तरां, होटल और स्थानीय कैंटीन से थोक ऑर्डर भी तलाशेगा
6.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	प्रारंभ में, समूह व्यक्तिगत रूप से सब्जी विक्रेताओं से संपर्क करेगा। आस-पास के कस्बों और गाँवों के खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करके अपने ताज़ा मशरूम पेश करेंगे और परीक्षण बिक्री के लिए नमूने पेश करेंगे । जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, समूह रामपुर और ज्योरी बाज़ारों में बड़ी खुदरा दुकानों और थोक विक्रेताओं तक अपनी पहुँच बढ़ाएगा। समूह ग्राहक आधार बनाने और अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए साप्ताहिक सब्जी मंडियों (हाटों), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की प्रदर्शनियों और स्थानीय मेलों के साथ साझेदारी की भी संभावना तलाशेगा।
6.10	उत्पाद ब्रांडिंग	ब्रांड नाम- " सरपाराज़ फ्रेश मशरूम"। मशरूम को साधारण पारदर्शी पॉलीथीन बैग में पैक किया जाएगा। प्रत्येक पैक पर एक स्टिकर छपा होगा: ब्रांड नाम और लोगो “रसायन मुक्त और घरेलू” टैगलाइन स्वयं सहायता समूह का नाम, ऑर्डर के लिए संपर्क नंबर ताज़गी सुनिश्चित करने के लिए पैकिंग की तारीख और उपयोग की सर्वोत्तम तिथि।
6.11.	उत्पाद का नारा	“ देसी मशरूम - स्वच्छ और स्वादिष्ट ”

7. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण।

सभी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे दैनिक संचालन, विपणन, विभाग के साथ संपर्क स्थापित करने तथा वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए आपस में जिम्मेदारियां बांटेंगे।

8. स्वोट अनालिसिस

क्र. सं.	विवरण / आइटम	:	विवरण

1.	ताकत	: :	• समूह के सभी सदस्य एक जैसी सोच रखते हैं और स्थानीय व सामाजिक परिवेश के अनुकूल ढले हुए हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पाद उच्च गुणवत्ता के हैं और विकास चक्र छोटा है, और उत्पादन पूरे वर्ष चलता रहेगा। • खुले बाजार में रेडीमेड कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं। • स्वयं सहायता समूह को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए जाईका वानिकी परियोजना द्वारा मानदंडों और निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण और प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।
2.	कमजोरी	: :	नया स्वयं सहायता समूह, मशरूम उत्पादन/खेती में अनुभव की कमी।
3.	अवसर	: :	मांग अधिक है और प्रतिफल भी अधिक है।
4.	जोखिम	: :	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, तथा उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी की आशंका है, जिन पर समूह के साथ बातचीत की जा सकती है।

9. संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।

क्रमांक	संभावित जोखिम	उन्हें कम करने के उपाय
1.	• कभी-कभी हानिकारक संक्रमण फसल को नष्ट कर सकता है। • तापमान रखरखाव और नियमन • बाज़ार संतृप्ति	सबसे पहले, कमरे में प्रवेश करने से पहले साबुन से हाथ-पैर धोकर और फॉर्मेलिन के घोल में डुबोकर स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। केवल 2 से 3 व्यक्ति ही पूरी किट (टोपी, दस्ताने, एप्रन आदि) पहनकर कमरे में प्रवेश करेंगे। फंगल संक्रमण से बचने के लिए नियमित रूप से स्प्रे करना आवश्यक है। दिए गए उपकरणों की मदद से आवश्यक तापमान बनाए रखा जाएगा। तापमान की निगरानी के लिए थर्मामीटर का उपयोग किया जाएगा उत्पादन के बाद के वर्षों में मशरूम को सुखाकर उसका मूल्य संवर्धन किया जाएगा, जिससे मशरूम का अचार, सूप और अन्य उत्पाद आदि बनाए जा सकेंगे।
2.	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	संघर्षों का प्रारंभिक चरण में ही निपटारा किया जाना चाहिए ताकि उनके कारणों का उन्मूलन किया जा सके। समूह के सभी सदस्यों को समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए और समान लाभ साझा किया जाना चाहिए। प्रत्येक सदस्य के साथ सम्मान और आदरपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए।
3.	बाज़ार	बाज़ार में हमेशा उतार-चढ़ाव रहता है; माँग और आपूर्ति में हमेशा अंतर रहता है। इसलिए सदस्यों को नए बाज़ार और खरीदार ढूँढते रहना चाहिए।

4.	उत्पादन	बाजार की मांग और सदस्यों के अनुभव के अनुसार उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा।

10.परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण

पहला चक्र

क्रमांक	परियोजना लागत	रुपये में
क	**पूंजीगत लागत**	
क.1	तीन टायर लकड़ी/बांस रैक फिटिंग का निर्माण	18000
क	सीलिंग फैन (1)	3000
ख	एग्जॉस्ट पंखे (2)	3000
ग	रूम हीटर/ब्लोअर/(हीट पिलर)	3500
घ	सूखा और गीला थर्मामीटर (1 सेट)	1000
ङ	वजन मापने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन (1 नं.)	1500
च	गर्म प्लास्टिक छत रॉड (1 नं.)	1200
छ	मध्यम स्प्रे पंप (1 संख्या)	3200
ज	तेज चाकू का सेट संख्या (1 सेट)	75
झ	कैंची (2)	400
ञ	ट्रे/टोकरी (6 संख्या)	1225
ट	टोकरा (6 संख्या)	2400
ठ	पानी की टंकियाँ 1000 लीटर (1 संख्या) गाड़ी का खर्च सहित	8000
ड	पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	4000
ढ	विविध व्यय	3000
	कुल **पूंजीगत लागत**	**53500**

ख.	**एक चक्र (75 दिन) की आवर्ती लागत**	
ख .1	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) की लागत @ 1200 रुपये/माह (6 महीने)	7200
ख .2	फॉर्मेलिन	600
ख.3	श्रम मजदूरी, 58.125 दिन (@400 रुपये/दिन)	23250
ख.4	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 संख्या @ 67 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्चा माल, गाड़ी सहित	16750
ख.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि) 8 किलो. @ 220 रुपये प्रति किलो.	1760
ख.6	परिवहन	1000
ख.7	बिजली और पानी के उपयोग का शुल्क 1000 रुपये प्रति माह	3000
ख.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	1500
	एक चक्र की आवर्ती लागत = ख1+ ख2+ ख3 + ख4 + ख5 + ख6+ ख7+ ख8	**55060**

	कुल परियोजना लागत (क + ख) =53500+55060 =	**1,08,560**

लागत लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र:-

क्रमांक	**विशिष्ट**	**इकाई**	**मात्रा/संख्या**	**दर**	**इसमें राशि (रु.)**
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	6	10%	**2675**
ख	महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) की लागत @ 1200 रुपये प्रति माह (6 महीने)	महीना	6	1200	7200
2.	फॉर्मेलिन बोतल	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	श्रमिक मजदूरी 58.125 दिन = (@400 रुपये /दिन)	दिन	58.125	400	23250
4.	बटन कम्पोस्ट बैग 250 संख्या @ 67 रुपये प्रति किलोग्राम	संख्या	250	67	16750
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	8	220	1760
6.	परिवहन शुल्क	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी के उपयोग का शुल्क 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग-भग	-	1500
	(क + ख)		**कुल**		**57,735**
9.	कुल उत्पादन किलोग्राम में.				**500 किलो**
10.	उपज की बिक्री	500 किलो @ 200 रुपये प्रति किलो			**1,00,000**
11.	लाभ	1,00,000 -57735			**रु.42,265**

नोट:- 42,265/- रुपये का शुद्ध लाभ भविष्य की आकस्मिकता के लिए आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में रखा जाएगा।

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र

क्रमांक	विशिष्ट	इकाई	मात्रा/संख्या	दर	राशि (रु.)
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	6	10%	**2675**
ख.	महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) की लागत @ 1200 रुपये/माह (6 महीने)	महीना	6	1200	7200
2.	फॉर्मेलिन की बोतल	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	श्रमिक मजदूरी 58.125 दिन = (@Rs400/दिन)	दिन	58.125	400	23,250
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 @ 67 रुपये प्रति किलोग्राम	संख्या	250	67	16750
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	8	220	1760
6.	परिवहन शुल्क	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी के उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग-भग	-	1500
	कुल (क+ख)				**57,735**
9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में**				**500 किलो**
10.	**कुल बिक्री (किग्रा)**	**500 किग्रा @ 200 रुपये प्रति किग्रा**			**1,00,000**
11।	**कुल लाभ**	**1,00,000-57735**			**42,265 रुपये**

नोट:- दूसरे चक्र के बाद कुल लाभ 42,265 रुपये स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के बीच वितरित करने के लिए उपलब्ध है ।

11. अर्थशास्त्र का सारांश .

क्रमांक	विशिष्ट	रुपये में

1.	**कुल आवर्ती लागत** पहला चक्र दूसरा चक्र **कुल**	 57,735 57,735 **1,15,470**
2.	**कुल आय** पहला चक्र दूसरा चक्र **कुल**	 1,00,000 1,00,000 **2,00,000**

12. लाभ लागत विश्लेषण (वार्षिक)

क्रमांक	**विवरण**	**राशि (रु.)**
1	**पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास (क)**	5350
2	**आवर्ती लागत (ख)**	
2.1	कमरे का किराया	14400
2.2	श्रम	46500
2.3	बैग की लागत	33500
2.4	फॉर्मेलिन	1200
2.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री, आदि)	3520
2.6	परिवहन शुल्क	2000
2.7	बिजली और पानी का उपयोग	6000
2.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद, आदि)	3000
	कुल	**1,15,470**
3	मशरूम का कुल उत्पादन	1000 किलोग्राम
4	**कुल बिक्री मूल्य**	**2,00,000**
5	**समस्त लाभ = बिक्री मूल्य - (मूल्यह्रास + आवर्ती** लागत**) = 2,00,000 - (5350 +1,15,470)**	**79,180**

13. समूह में निधि प्रवाह :

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	53,500	40,125	13,375
2	समस्त आवर्ती लागत	1,15,470	0	1,15,470
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	60000	60000	0
	कुल परिव्यय	**2,28,970**	**1,00,125**	**1,28,845**

टिप्पणी-

पूंजीगत लागत - कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

आवर्ती लागत- सम्पूर्ण लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन- कुल लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी

14. धन और खरीद के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • वीएफडीएस के बैंक खाते में 1 लाख रुपये की राशि जमा की जाएगी, जो स्वयं सहायता समूह के लिए परिक्रामी निधि के रूप में उपलब्ध होगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	मशीनों/उपकरणों की खरीद सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा । • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

15. **टिप्पणी:**

समूह का आगामी लक्ष्य अचार, रेडीमेड सूप, सूखे मशरूम आदि के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा अपनी आय में वृद्धि करना है।

आपकी त्वचा, दिमाग और हड्डियों के लिए मशरूम के 7 आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ

इनमें सेलेनियम, पोटेशियम, तांबा, लोहा और फास्फोरस जैसे कई खनिज होते हैं जो अक्सर पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं।

1. मशरूम आपको जवान बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।
2. मशरूम आपकी उम्र बढ़ने के साथ आपके मस्तिष्क की रक्षा कर सकते हैं।
3. मशरूम आपकी याददाश्त बढ़ा सकते हैं।
4. मशरूम आपके हृदय स्वास्थ्य में मदद कर सकते हैं।
5. मशरूम आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता कर सकता है।
6. मशरूम आपको ऊर्जा देने में मदद करेगा ।
7. मशरूम कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है, खासकर कैंसर से ।

"मशरूम एक विशेष व्यंजन है - स्वादिष्ट, स्वास्थ्यवर्धक और सस्ता।"

16. स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की तस्वीरें

भारती देवी

चानू देवी

हीमा देवी

बिरमा देवी

देवका देवी

पूर्वा देवी

कुंता देवी

कीर्ति देवी

मीना देवी

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Jai Panchvir ..... Self Help Group will under Take the Chuli oil

As Livelihood generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh forest ecosystems & Management & livelihood (JICA Assisted). In this regard Business Plan of Amount (Rs.) 2,00000=00 ..... has been submitted by this group on dated ..... and this business plan has been approved by Kandhar Sugd ..... VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you.

President
Village Forest Development Society, Sugha-Kandhar
V.P.O. Sugha Teh. Rampur Distt. Shimla (H.P.)
Signature of VFDS Pradhan

Secretary
Village Forest Development Society, Sugha Kandhar
V.P.O. Sugha Teh. Rampur Distt. Shimla (H.P.)
Signature of VFDS Secretary

Approved

DMU Officer-cum-DCF,
Rampur Forest Division, H.P.

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group....Jai Panchveer.....held on ...Oct, 2021.....at .....Kandhar.....that our Self Help Group will undertake the Chuli oil.....as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted).

प्रधान
जय देवता पंचवीर
स्वंय सहायता समूह कान्धार
Signature of Group Head
तह. रोहड़ू, जिला शिमला (हि.प्र.)

देवकी देवी
सचिव
जय देवता पंचवीर
स्वंय सहायता समूह कान्धार
तह. रोहड़ू, जिला शिमला (हि.प्र.)
Signature of Group Secretary

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Jai Panchveer Self Help Group will undertake the Mushroom Cultivation (Add-on Activity)

As Livelihood Generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management & Livelihood (JICA Assisted). In this regard Business Plan of Amount (Rs.) 53500/— has been submitted by this group on dated 19-03-2025 and this business plan has been approved by Kandhar-Sugha VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you.

President
Village Forest Development Society Sugha-Kandhar
V.P.O. Sugha Teh. Rampur Distt Shimla (H.P.)

Signature of VFDS Pradhan

Secretary
Village Forest Development Society Sugha Kandhar
V.P.O. Sugha Teh. Rampur Distt Shimla (H.P.)

Signature of VFDS Secretary

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group ...Jai Panchveer... held on ...13-03-2025... at ...Kandhar... that our Self Help Group will undertake the ...Mushroom Cultivation (Add-on activity)... as Livelihood Income Generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management & Livelihoods (JICA Assisted).

President
प्रधान
पंचवीर स्वयं सहायता समूह
कान्धार डा० सरपारा 15/20
Signature of SHG Pradhan

Secretary
सचिव
पंचवीर स्वयं सहायता समूह
कान्धार डा० सरपारा 15/20
Signature of SHG Secretary